IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 13, Issue 6, June 2024

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 8.423

9940 572 462 | 6381 907 438 | ijirset@gmail.com | www.ijirset.com

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.423

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2024.1306205|

निश्चयवाद, संभववाद व नव - निश्चयवाद

Hemant Kumar

M.A, Department of Geography, NET, SET, B.Ed., Raipur, Beawar, Rajasthan, India

सार: निश्चयवाद, सम्भववाद एवं नव-निश्यवाद में अन्तर

1. निश्चयवाद – निश्चयवादी विचारधारा के अनुसार मनुष्य के प्रत्येक क्रियाकलाप को पर्यावरण नियन्त्रित करता है। निश्चयवाद के समर्थक यह मानते हैं कि भौतिक कारक; जैसे-जलवायु, उच्चावच, प्राकृतिक वनस्पति और मानव के समस्त क्रियाकलापों और जीवन-शैली आदि को नियन्त्रित करते हैं। निश्चयवाद सामान्यतया मानव को एक निष्क्रिय कारक समझता है जो पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित है।

2. सम्भववाद – सम्भववाद के अनुसार मनुष्य अपने पर्यावरण में परिवर्तन करने में समर्थ है तथा वह प्रकृतिदत्त अनेक सम्भावनाओं का अपने लाभ के लिए इच्छानुसार उपयोग कर सकता है। सम्भववाद प्रकृति की तुलना में मनुष्य को महत्त्वपूर्ण स्थान देता है और उसे सक्रिय शक्ति के रूप में देखता है। सम्भववाद के अनुसार निश्चयवाद का यह सिद्धान्त कि मनुष्य प्रकृति का दास है, अस्वीकृत कर दिया गया।

3. नव-निश्चयवाद – यह विचारधारा उपर्युक्त दोनों विचारधाराओं की चरम अवस्था के बीच का दर्शन है। ग्रिफिथ टेलर का मानना था कि किसी देश द्वारा अपनाए गए सर्वोत्तम आर्थिक कार्यक्रम का एक बड़ा भाग प्रकृति द्वारा निर्धारित होता है और यह भूगोलवेत्ता का कर्तव्य है कि वह इस कार्यक्रम की व्याख्या करे। देश के विकास की प्रगति को आगे बढ़ाने, धीमा या अवरुद्ध करने में मनुष्य सक्षम होता है। वह प्रगति की दिशा के स्थान पर दर को परिवर्तित करता है, यह एक बड़े शहर में यातायात नियन्त्रक की तरह होता है और सम्भवतया 'रुको और जाओ' ग्रिफिथ टेलर के दर्शन 'नव-निश्चयवाद' को अधिक स्पष्ट करता है। मनुष्य यदि बुद्धिमान हो, तो वह प्रकृति के कार्यक्रम का पालन कर सकता है, जो सम्भावनाओं के इस विवाद को स्वीकारता है कि पर्यावरण द्वारा स्थापित विस्तृत सीमा में से मनुष्य सबसे अन्त में चयन कर सकता है।

I. परिचय

निश्चयवाद के अनुसार प्रकृति एक सक्रिय कारक है और मनुष्य आश्रित। प्रकृति ही मानव को निर्देशित करती है। संभववाद मानता है कि प्रकृति एक निष्क्रिय कारक है, जबकि मानव एक सक्रिय कारक है। मनुष्य अपने अस्तित्व के लिए निष्क्रिय प्रकृति को ही संशोधित करता रहता है।[1,2,3]

निश्चयवाद और संभववाद में अंतर

निश्चयवाद	संभववाद
निश्चयवाद की विचारधारा के अनुसार मनुष्य के प्रत्येक क्रियाकलाप को पर्यावरण से नियन्त्रित माना जाता है।	संभववाद की विचारधारा के अनुसार मनुष्य अपने पर्यावरण में परिवर्तन करने में समर्थ है तथा वह प्रकृतिदत्त अनेक सम्भावनाओं का अपने लाभ के लिए इच्छानुसार उपयोग कर सकता है।
निश्चयवादी सामान्यतः मानव को एक निष्क्रिय कारक समझते हैं, जो पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित होता है।	संभववादी सामान्यतः प्रकृति की तुलना में

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2024.1306205|

	मनुष्य को महत्त्वपूर्ण स्थान देते हैं और उसे सक्रिय शक्ति के रूप में देखते हैं।
निश्चयवादी विचारधारा को मानने वाले मानव के आचरण, निर्णय क्षमता, कार्यकुशलता तथा जीवन पद्धति आदि को भी पर्यावरण के भौतिक कारकों द्वारा प्रभावित मानते हैं।	संभववादी विचारधारा के अनुसार निश्चयवाद का यह सिद्धान्त कि मनुष्य प्रकृति का दास है, अस्वीकृत कर दिया गया।[4,5,6]
निश्चयवादी विचारधारा के अनुसार प्राकृतिक पर्यावरण सर्वप्रमुख है जो मानव के समस्त क्रियाकलापों को नियन्त्रित करता है ।	संभववादी विचारधारा के अनुसार इस बात पर बल दिया गया है कि मनुष्य प्रकृति के तत्त्वों को अपने लाभ के लिए चुनने के लिए स्वतन्त्र होता है और इस दृष्टि से मनुष्य को उसके भौतिक पर्यावरण की अपेक्षा महत्त्वपूर्ण स्थान दिया जाता है।
हिप्पोक्रेट्स, अरस्तू, हेरोडोटस, स्ट्रैबो आदि रोम और यूनानी विद्वानों ने निश्चयवाद का समर्थन किया। रैटजेल, रिटर, हम्बोल्ट, काण्ट आदि ने भी इसी विचारधारा का समर्थन किया।	लूसियन फैब्रे, पॉल विडाल डी-ला ब्लाश आदि ने व्यवस्थित तरीके से संभववादी विचारधारा का प्रसार-प्रचार किया।

मानव भूगोल में संभववाद[1] (Possibilism) एक ऐसे संप्रदाय (स्कूल) के रूप में स्थापित हुआ जिसकी विचारधारा और दर्शन इस बात का समर्थन करते थे कि मनुष्य एक चिंतनशील प्राणी के रूप में, अपने प्राकृतिक पर्यावरण द्वारा उपस्थित की जाने वाली दशाओं में चुनने की स्वतंत्रता रखता है[2] और इस प्रकार किसी क्षेत्र अथवा प्रदेश में अपने चयन के अनुसार चीजों को संभव बनाता है। यह भूगोल में नियतिवादी विचारधारा के विरुद्ध[3] खड़ा होने वाला संप्रदाय था क्योंकि नियतिवादियों का मानना यह था कि प्रकृति द्वारा प्रस्तुत दशाएँ ही किसी क्षेत्र के मानव जीवन और संस्कृति को पूरी तरह नियंत्रित करती हैं।

इस भावना को सर्वप्रथम फ्रांसीसी भूगोलवेत्ताओं द्वारा पुरःस्थापित किया गया और विडाल डी ला ब्लाश के लेखन से इसका आरंभ हुआ।[3] फ्रांसीसी विद्वान फेव्रे ने इसे "संभववाद" का नाम दिया। इस विचारधारा के विद्वानों का मत है कि मानव प्रकृति के तत्व को चुनने के लिए स्वतंत्र होता है। सर्वत्र संभावनाएं हैं और मनुष्य इन संभावनाओं का स्वामी है। फेव्रे का विचार है, "कहीं अनिवार्यता नहीं है, सब जगह संभावनाएं हैं। मानव उसके स्वामी के रूप में उनका निर्णायक है। संभावनाओं के उपयोग से स्थिति में जो परिवर्तन होता है, उससे मानव को, मात्र मानव को ही प्रथम स्थान प्राप्त होता है। पृथ्वी, जलवायु या विभिन्न स्थानों की नियतीवादी परिस्थितियों को वह स्थान कदापि नहीं मिला सकता। ब्लाश का मानना है कि मानव को अपने वातावरण में रहकर कार्य करना पड़ता है, [7,8,9]इसका अर्थ यह नहीं है कि वह वातावरण का दास है। मानव एक क्रियाशील प्राणी है जिसमें वातावरण में परिवर्तन लाने की असीम क्षमता है अर्थात वह अकर्मण्य तभी होता है जब भौतिक विश्व उसे निष्प्राणित कर देता है।

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2024.1306205|

नव-निश्चयवाद के अनुसार मानव भूगोल में निश्चयवाद तथा सम्भववाद की चरम स्थिति के बीच एक मध्य मार्ग है। इसके अनुसार मानव प्रकृति में विकास के लिए एक सीमा तक ही जा सकता है और अन्ततः उसे प्रकृति के साथ समझौता करना पड़ता है।

II. विचार-विमर्श

पर्यावरणीय निश्चयवाद (Environmental determinism) अथवा पर्यावरणीय नियतिवाद मानव भूगोल की एक प्रमुख विचारधारा है जिसमें यह माना जाता है कि पर्यावरण ही किसी क्षेत्र के मानव एवं समाज की भौतिक एवं बौद्धिक अभिलक्षणों को निर्धारित करता है। मानव भूगोल में इसके प्रणेता जर्मन भूगोलवेत्ता फ्रेड्रिक रेटजेल थे हालाँकि, इस तरह के विचार कि पर्यावरण मानव के गुणों को नियंत्रित करता है। पहले भी चीनी विद्वान् गुआंग झांग, यूनानी दार्शनिक हिप्पोक्रेटीज और अरब विद्वान् अल-जाहिज़ तथा इब्न-खाल्दून जैसे लोग व्यक्त कर चुके थे। इस विचारधारा में प्रकृति को मानवीय जीवन के नियंता के रूप में स्थापित किया गया था। इसे जलवायवीय निश्चयवाद अथवा भूगोलीय निश्चयवाद के नाम से भी जाना जाता है।

अमेरिका में इस विचारधारा की अगुवा एलेन चर्चिल सेम्पल थीं जो रेटजेल की शिष्या थीं।
मानव भूगोल का एक अन्य मत इसी निश्चयवाद के विरोध स्वरुप उभरा जिसे फ्रांसीसी स्कूल के ब्लाश, फेव्रे और जीन ब्रून्स इत्यादि विद्वानों ने प्रतिपादित किया और जो संभववाद के नाम से जाना गया। वर्तमान में निश्चयवाद की प्रमुख आलोचना इस आधार पर की जाती है कि इसने औपनिवेशिक काल में अफ्रीकी एशियाई लोगों के ऊपर यूरोपियन लोगों की नृजातीय श्रेष्ठता को सही ठहराने में वैचारिक रूप से योगदान किया। बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में यही पुराना निश्चयवाद पुनः नव-पर्यावरणीय निश्चयवाद के रूप में उभरा जिसमें एंड्रयू स्ल्यूटर जैसे विद्वानों का योगदान रहा।[10,11,12]

बीसवी शताब्दी के आरम्भ में भूगोल के अंतर्गत मानव व पर्यावरण के पारस्परिक सम्बन्धों के अध्ययन को महत्व दिया जाने लगा | लेकिन मानव व पर्यावरण के पारस्परिक सम्बन्धों के सम्बन्ध में भूगोलवेत्ताओं की राय एकसमान नही थी बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं ने जन्म लिया |

एक विचारधारा संभावनावाद और दूसरी नियतिवाद कहलायी | संभावनावाद विचारधारा के प्रमुख समर्थक एस. फैबव्रे और वाइडल-डि-ला-ब्लाश थें | संभावनावाद के अनुसार मानव अपने पर्यावरण में परिवर्तन करने में समर्थ है और मानव प्रकृति द्वारा प्रदान की गयी विभिन्न संभावनाओं का अपनी इच्छानुसार उपयोग कर सकता है |

नियतिवाद के प्रमुख समर्थक रैत्सेल और ई. हंटिंगटन थें | नियतिवाद के अनुसार मानव के सभी कार्य पर्यावरण द्वारा निर्धारण होते है और मानव को अपनी इच्छानुसार कुछ करने की स्वतंत्रता कम है |

III. परिणाम

निश्चयवादी विचारधारा के अनुसार मानव के समस्त क्रियाकलाप पर्यावरण द्वारा नियंत्रित होते हैं। निश्चयवाद का अनुसरण करने वाले लोग उस भौतिक कारक को मानते हैं; जैसे-जलवायु, उच्चावच, प्राकृतिक वनस्पति आदि, मानव के समस्त क्रियाकलाप और जीवन-शैली को नियंन्त्रित करते हैं उदाहरण के लिए- टुण्ड्रा क्षेत्र के एस्किमो के बर्फ के घर (इग्लू) और भोजन वालरस और सील मछली होती है। ह्वेल भी अपने जीवन का प्रमुख अंग है। वे मछली के तेल का भी उपयोग करते हैं। थार, सहारा जैसे गर्म मरुस्थलों के लोग भेड़, बकरी तथा ऊंट आदि जैसे जानवरों पर निर्भर करते हैं। निश्चित रूप से, आमतौर पर मनुष्य को एक निष्क्रिय कारक माना जाता है जो निश्चित रूप से पर्यावरणीय परिस्थितियों से प्रभावित होता है।

निश्चयवाद, पर्यावरणीय निश्चयवाद या नियतिवाद एक पुरानी विचारधारा है। इसके अनुसार विकास की प्रारंभिक अवस्था में मानव प्राकृतिक वातावरण (natural environment) से अधिक प्रभावित हुआ और उन्होंने प्रकृति के आदेशों के अनुसार अपने आपको ढाल लिया।[13,14,15]

इसका कारण यह है कि मानव के सामाजिक विकास की अवस्था आदिम थी और प्रौद्योगिकी का स्तर अत्यन्त निम्न था। उस अवस्था में मानव प्रकृति को सुनता था, उसकी प्रचंडता से भयभीत होता था और उसकी पूजा करता था। इसमें मनुष्य का स्थान गौण था। नव-निश्चयवाद के अनुसार मानव भूगोल में निश्चयवाद तथा सम्भववाद की चरम स्थिति के बीच एक मध्य मार्ग है। इसके अनुसार मानव प्रकृति में विकास के लिए एक सीमा तक ही जा सकता है और अन्ततः उसे प्रकृति के साथ समझौता करना पड़ता है। नव निश्चय वाद जिसे आधुनिक निश्चय वाद तथा वैज्ञानिक निश्चयवाद भी कहा जाता है इसके प्रवर्तक आस्ट्रेलिया के महान भूगोलवेत्ता ग्रिफिथटेलर हैं[16,17,18]

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.423

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

|DOI: 10.15680/IJIRSET.2024.1306205|

IV. निष्कर्ष

नियतिवाद के अनुसार मनुष्य प्रत्येक क्रियाकलाप को पर्यावरण से नियंत्रित माना जाता है, जबकि संभववाद/संभावनावाद विचारधारा के अनुसार मनुष्य अपने पर्यावरण में परिवर्तन करने में समर्थ होता है तथा वह प्रकृति प्रदत्त अनेक संभावनाओं का प्रतिरोध अपने लाभ के लिए उपयोग कर सकता है। इस भावना को सर्वप्रथम फ्रांसीसी भूगोलवेत्ताओं द्वारा पुरःस्थापित किया गया और विडाल डी ला ब्लाश के लेखन से इसका आरंभ हुआ। फ्रांसीसी विद्वान फेव्रे ने इसे "संभववाद" का नाम दिया। इस विचारधारा के विद्वानों का मत है कि मानव प्रकृति के तत्व को चुनने के लिए स्वतंत्र होता है।[19,20,21]

संदर्भ

1. Poornima Shekhar Singh (September 2007), Bhaugolik Chintan Ki Navin Pravratiyan, Rajkamal Prakashan Pvt Ltd, पपृ° 34–, आईऍसबीऍन° 978-81-267-1335-6
2. ↑ Gerald Rudolph Pitzl; Jerry Pitzl (2004), Encyclopedia of Human Geography, Greenwood Publishing Group, पपृ° 189–, आई°ऍस°बी°ऍन° 978-0-313-32010-1
3. ↑ Derek Gregory; Ron Johnston; Geraldine Pratt, Michael Watts, Sarah Whatmore (23 सितम्बर 2011), The Dictionary of Human Geography, John Wiley & Sons, पपृ° 1–, आई°ऍस°बी°ऍन° 978-1-4443-5995-4
4. Tulasī prajñā, Jaina Viśva Bhāratī., 1982, पपृ° 59–60 (स्निपेट व्यू)
5. ↑ Prītama Siṅghavī; Pārśva Śaikṣaṇika aura Śodhaniṣṭha Pratiṣṭhāna (1999), "Anekānta-vāda as the basis of equanimity, tranquality [sic] and synthisis [sic] of opposite view points", Pārśva Iṇṭaraneśanala Śaikshaṇika aura Śodhanishṭha Pratishṭhāna (स्निपेट व्यू)
6. "Geography Archived 2006-11-09 at the वेबैक मशीन" - The American Heritage Dictionary/ of the English Language, Fourth Edition. Houghton Mifflin Company. Retrieved October 9, 2006.
7. ↑ Dahlman, Carl; Renwick, William (2014). Introduction to Geography: People, Places & Environment (6 संस्करण). Pearson. आई°ऍस°बी°ऍन° 9780137504510.
8. ↑ Burt, Tim (2009). Key Concepts in Geography: Scale, Resolution, Analysis, and Synthesis in Physical Geography (2 संस्करण). John Wiley & Sons. पपृ° 85–96. आई°ऍस°बी°ऍन° 978-1-4051-9146-3.
9. ↑ Tobler, Waldo (1970). "A Computer Movie Simulating Urban Growth in the Detroit Region" (PDF). Economic Geography. 46: 234–240. JSTOR 143141. डीओआइ:10.2307/143141. मूल (PDF) से 2019-03-08 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 22 July 2022.
10. ↑ Tobler, Waldo (2004). "On the First Law of Geography: A Reply". Annals of the Association of American Geographers. 94 (2): 304–310. डीओआइ:10.1111/j.1467-8306.2004.09402009.x. मूल से 21 June 2022 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 22 July 2022.
11. ↑ Hayes-Bohanan, James (29 September 2009). "What is Environmental Geography, Anyway?". webhost.bridgew.edu. Bridgewater State University. मूल से 26 October 2006 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 10 November 2016.
12. ↑ Hornby, William F.; Jones, Melvyn (29 June 1991). An introduction to Settlement Geography. Cambridge University Press. आई°ऍस°बी°ऍन° 978-0-521-28263-5. मूल से 25 December 2016 को पुरालेखित.
13. ↑ "Areography". Merriam-Webster.com. अभिगमन तिथि 27 July 2022.
14. ↑ Lowell, Percival (April 1902). "Areography". Proceedings of the American Philosophical Society. 41 (170): 225–234. JSTOR 983554. अभिगमन तिथि 27 July 2022.
15. ↑ Sheehan, William (19 September 2014). "Geography of Mars, or Areography". Astrophysics and Space Science Library. 409: 435–441. आई°ऍस°बी°ऍन° 978-3-319-09640-7. डीओआइ:10.1007/978-3-319-09641-4_7.
16. ↑ Hughes, William. (1863). The Study of Geography. Lecture delivered at King's College, London, by Sir Marc Alexander. Quoted in Baker, J.N.L (1963). The History of Geography. Oxford: Basil Blackwell. पृ° 66. आई°ऍस°बी°ऍन° 978-0-85328-022-4.
17. ↑ Matthews, John; Herbert, David (2008). Geography: A very short introduction (1 संस्करण). Oxford University Press. आई°ऍस°बी°ऍन° 978-0-19-921128-9.
18. ↑ Thrift, Nigel (2009). Key Concepts in Geography: Space, The Fundamental Stuff of Geography (2 संस्करण). John Wiley & Sons. पपृ° 85–96. आई°ऍस°बी°ऍन° 978-1-4051-9146-3.

19. ↑ Kent, Martin (2009). Key Concepts in Geography: Space, Making Room for Space in Physical Geography (2 संस्करण). John Wiley & Sons. पपृ° 97–119. आईऍसबीऍन° 978-1-4051-9146-3.
20. ↑ Tuan, Yi-Fu (1977). Space and Place: The Perspective of Experience (1 संस्करण). University of Minnesota Press. आईऍसबीऍन° 0-8166-3877-2.
21. ↑ Chen, Xiang; Clark, Jill (2013). "Interactive three-dimensional geovisualization of space-time access to food". Applied Geography. 43: 81–86. डीओआइ:10.1016/j.apgeog.2013.05.012. अभिगमन तिथि 7 December 2022.

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INNO SPACE SJIF Scientific Journal Impact Factor

doi crossref

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com